



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रकाशरण

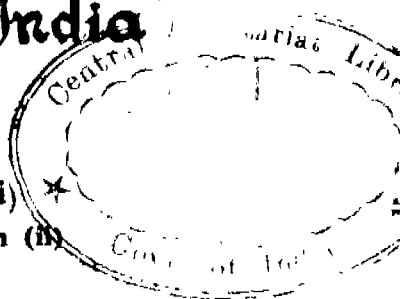
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) *

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 522] नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 30, 1974/पौष 9, 1896

No. 522] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 30, 1974/PAUSA 9, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह खण्ड संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

WEALTH-TAX

New Delhi, the 30th December 1974

S.O. 739(E).—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, namely:—

1. (1) These rules may be called the Wealth-tax (Fourth Amendment) Rules, 1974.
- (2) They shall come into force from the 1st day of April, 1975.
2. In the Wealth-tax Rules, 1957, in Form A,—
 - (a) in ANNEXURE I, after the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1)(iva)", the words, figures, brackets and letter "read with section 5(1A)" shall be inserted;
 - (b) in ANNEXURE II, after the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1)(iva)", the words, figures, brackets and letter "read with section 5(1A)" shall be inserted;
 - (c) in ANNEXURE V, for the words, brackets, figures and letter "Amount exempt to the extent mentioned in sub-section (1A) of section 5 [to the extent not availed of", the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1A) [to the extent not availed of against the value of agricultural lands in Annexure I or II or" shall be substituted;

(d) in ANNEXURE VI,—

(i) in the portion below item 11, after the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1A)", the brackets, words and figures "(to the extent not availed of against the value of agricultural lands in Annexure I or II)" shall be inserted;

(ii) for item 15, the following item shall be substituted, namely:—

"15. Annuity rights [other than those which are not includible in "assets" under sec. 2(e) and those exempt under sec. 5(1)(via) or (vii)].

(iii) item 18 shall be re-numbered as item 19 and before item 19 as so re-numbered, the following item shall be inserted, namely:—

"18. Value of assessee's right or interest in a policy of insurance to the extent not exempt under sec. 5(1)(vi)."

[No. 8/09/F.No. 143(7)/74-TPL]

O. P. BHARDWAJ,

Secy. Central Board of Direct Taxes.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1974

का. प्रा. 739(अ).—घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 46 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड घन-कर नियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित नियम बनाना है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम घन-कर (चतुर्थ संशोधन) नियम, 1974 है।

(2) ये 1975 के अप्रैल के प्रथम दिन में प्रवृत्त होंगे।

2. घन-कर नियम, 1957 में प्रत्येक में,—

(क) उपाबन्ध 1 में "धारा 5(1) (ivक)" शब्द, अंकों, कोष्ठकों और अक्षर से पूर्व, "धारा 5 (1क) के साथ पठित" शब्द, अंक, कोष्ठक और अक्षर अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ख) उपाबन्ध 2 में, "धारा 5 (1) (ivक)" शब्द, अंकों, कोष्ठकों और अक्षर से पूर्व "धारा 5 (1क) के साथ पठित" शब्द, अंक, कोष्ठक और अक्षर अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

(ग) उपाबन्ध 5 में, "धारा 5 की उपधारा (1क) में अंगित सीमा तक छूट प्राप्त रकम" (उस सीमा तक जहाँ तक उपाबन्ध 6 में की जंगम सम्पत्ति (गैर-कारबारी आस्तियों के मूल्य पर उसका लाभ न उठाया गया हो)" शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षर के स्थान पर, "धारा 5 (1क) के अधीन छूट प्राप्त रकम (उस सीमा तक जहाँ तक उपाबन्ध 1 या उपाबन्ध 2 में की कृषि-भूमियों के मूल्य पर या उपाबन्ध 6 में की जंगम सम्पत्ति (गैर कारबारी आस्तियों) के मूल्य पर उसका लाभ न उठाया गया हो)" शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(घ) उपाबन्ध 6 में,—

(i) मद 11 के नीचे के भाग में "धारा 5 (1क) के अधीन छूटप्राप्त रकम" शब्दों, कोष्ठकों और अक्षर के पश्चात् "(उस सीमा तक जहाँ तक उपाबन्ध 1 या उपाबन्ध 2 में की कृषिभूमियों के मूल्य पर उसका लाभ न उठाया गया हो)" कोष्ठक, शब्द और अंक रखे जाएंगे;

(ii) मद 15 के स्थान पर, निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“15. अधिवापिकी अधिकार (उनसे भिन्न, जो धारा 2 (इ) के अर्थात् “आप्तियाँ” में सम्मिलित करने योग्य नहीं हैं और उनसे भिन्न जो 5(1) (vi) या (vii) के अर्थात् छूट प्राप्त अधिकारों से भिन्न हैं)।”

(iii) मद 18 मद 19 के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएगी और इस प्रकार पुनः संख्यांकित मद 19 से पूर्व, निम्नलिखित मद अन्व.स्थापित की जाएगी, अर्थात् :

“18. उस सीमा तक, जिस तक धारा 5(1) (vi) के अधीन छूट प्राप्त नहीं है, बीमा की पालिसी में निर्धारित अधिकार या हित का मूल्य।”

[सं० 809/फा० सं० 143(7)/74-टी०पी०एल०]

प्रो० पी० भारद्वाज,

सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड।

